

Z-16025/05/2012-Imm p/f
भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
टीकाकरण-प्रभाग

निर्माण भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 18 अप्रैल 2022

कोविड-19 टीकाकरण के बाद रिपोर्ट किए गए 167 गंभीर प्रतिकूल मामलों (AEFI) का 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रीय AEFI समिति द्वारा अनुमोदन कारणपरक मूल्यांकन एवं परिणाम

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकाकरण प्रभाग ने राष्ट्रीय एईएफआई निगरानी प्रणाली में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें राज्य स्तर पर मामलों की जांच की गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्तर पर उनके करणीय मूल्यांकन शामिल हैं। कार्य के महत्व और महत्वपूर्ण प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कार्य-कारण मूल्यांकन (सीए) के लिए एसओपी को गुणवत्ता आश्वासन के रूप में निर्धारित किया गया है। अंतिम अनुमोदन के लिए राष्ट्रीय एईएफआई समिति की बैठक में सीए उपसमिति के कार्य-कारण मूल्यांकन परिणामों पर चर्चा की जाती है।

राष्ट्रीय एईएफआई समिति द्वारा गहन समीक्षा, विचार-विमर्श और अनुमोदन के बाद 16 नवंबर 2021 को 167 मामलों के लिए कार्य-कारण मूल्यांकन के परिणाम अनुलग्नक (राष्ट्रीय एईएफआई समिति द्वारा किए गए कार्य-कारण मूल्यांकन की अज्ञात पंक्ति सूची) में दिए गए हैं।

मूल्यांकन किए गये 167 मामलों में से 91 मामलों में टीकाकरण के साथ संगत कारण संबंध पाए गए, इन 91 में से 75 वैक्सीन उत्पाद संबंधी प्रतिक्रियाएं एवं 16 मामले प्रतिरक्षण त्रुटि संबंधी प्रतिक्रिया थे जिनमें एक मौत भी शामिल थी। 64 मामलों में टीकाकरण (संयोग - टीकाकरण से जुड़ा नहीं) के साथ असंगत कारण संबंध पाए गए जिसमें से 21 मौत के मामले थे। 3 मामलों को अनिश्चित श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है तथा 9 मामले (सभी मौत) अवर्गीकृत श्रेणी के हैं जिन्हें महत्वपूर्ण जानकारी अनुपलब्ध होने के कारण वर्गीकरण नहीं किया जा सका।

वैक्सीन उत्पाद संबंधी प्रतिक्रियाएं अपेक्षित प्रतिक्रियाएं हैं जिन्हें वर्तमान वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर टीकाकरण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ऐसी प्रतिक्रियाओं के उदाहरण एलर्जी प्रतिक्रियाएं और एनाफिलेक्सिस आदि हैं।

अनिश्चित प्रतिक्रियाएं वे प्रतिक्रियाएं हैं जो टीकाकरण के तुरंत बाद हुई हैं लेकिन वर्तमान साहित्य या नैदानिक परीक्षण डेटा में कोई निश्चित प्रमाण नहीं है कि यह घटना टीके के कारण हो सकती है। आगे के अवलोकन, विश्लेषण और अध्ययन की आवश्यकता है।

अवर्गीकृत घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जिनकी जांच की गई है लेकिन महत्वपूर्ण जानकारी अनुपलब्ध होने के कारण निदान को निर्दिष्ट करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जब यह प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध हो जाती है, तो कार्य-कारण मूल्यांकन के लिए मामले पर पुनर्विचार किया जा सकता है।

संयोग से होने वाली घटनाएँ ऐसी घटनाएँ हैं जो टीकाकरण के बाद रिपोर्ट की जाती हैं, लेकिन जाँच में टीकाकरण के अलावा अन्य स्पष्ट कारण पाए जाते हैं।

कुल मिलाकर, टीकाकरण के लाभ नुकसान के छोटे जोखिम की तुलना में बहुत अधिक हैं। हालांकि, अत्यधिक एहतियात के तौर पर, नुकसान के सभी उभरते संकेतों को लगातार ट्रैक किया जा रहा है और समय-समय पर समीक्षा की जा रही है।

